**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 21-08-2026**

**गुमला(झारखण्ड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-08-21 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2026-08-22 | 2026-08-23 | 2026-08-24 | 2026-08-25 | 2026-08-26 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 5.0 | 12.0 | 33.0 | 25.0 | 22.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 30.0 | 30.0 | 29.0 | 28.0 | 28.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 23.0 | 23.0 | 22.0 | 22.0 | 22.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 96 | 96 | 95 | 94 | 94 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 65 | 67 | 68 | 70 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 6 | 3 | 4 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 209 | 207 | 221 | 292 | 318 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 7 | 7 | 8 | 7 | 7 |
| चेतावनी | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ |

## पूर्वानुमान सारांश:

पिछले तीन दिनों में, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, कांके, रांची में 120.2 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 31.4-33.3°C और न्यूनतम तापमान 23.0-23.1°C के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 71-89% के बीच रही। हवा की गति 1.2-4.6 किमी/घंटा रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने और आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28.0-30.0°C और न्यूनतम तापमान 22.0-23.0°C के बीच रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता 65-96% के बीच रहेगी और हवा की गति 3-6 किमी प्रति घंटा के साथ हल्की से मध्यम रहेगी।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

18 से 23 अगस्त के बीच भारी बारिश, बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान और ज़ोरदार सतही हवाएं चलने की संभावना है।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

| |
|---|
| तेज़ हवाओं के कारण मक्का और अरहर जैसी खड़ी फ़सलों के गिरने और सब्ज़ी वाली फ़सलों के फल झड़ने की आशंका है। |

**सामान्य सलाहकार:**

| |
|---|
| आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना को देखते हुए, किसान भाई आगामी 5 दिनों में सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर देना चाहिए। कटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। बारिश से बचाने के लिए सब्जियों के पौधों को पॉलिथीन से ढक दें। बारिश और बादल की स्थिति से खड़ी फसलों में रोग का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसानों को इसकी निरंतर निगरानी रखनी चाहिए। |

**लघु संदेश सलाहकार:**

| |
|---|
| अधिक आर्द्रता और लगातार वर्षा से रागी में ब्लास्ट रोग का प्रकोप बढ़ सकता है। अधिक नत्रजन से बचें और लक्षण दिखने पर ट्राइसाइक्लाजोल 75% WP @ 1 ग्राम/लीटर पानी छिड़कें। |

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | रुक-रुक कर शुष्क और गीले मौसम की स्थिति, नर्सरी में जीवाणु पत्ती झुलसा रोग और परणछद आंगमरी जैसे बीमारियों के लिए अनुकूल है। रोग को फैलने से रोकने के लिए हेक्साकोनाजोल + प्लांटोमाइसिन 1.0 ग्राम/लीटर के साथ पत्तियों पर छिड़काव करें। यदि नर्सरी में ब्लास्ट की समस्या दिखाई दे तो टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% WG @ 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40EC @ 1.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 7-10 दिन के अंतराल पर छिड़काव को दोहराएँ। |
| चावल | तना छेदक कीट के प्रकोप से बचाव हेतु खेत में डेड हार्ट एवं सफेद बालियों को निकालकर नष्ट करें। प्रकोप अधिक होने पर क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5% SC @ 0.3 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। अनावश्यक नत्रजन (यूरिया) के प्रयोग से बचें तथा कीटनाशी का छिड़काव वर्षा रहित मौसम में करें। |
| अरहर (लाल चना/ अरहर) | अरहर की फसल में पानी से भरी मिट्टी और बारिश, तने या जड़ की सड़न को तेज़ी से बढ़ने और फैलने में मदद करती है। खेत में पानी जमा न होने दें। बीमारी को एक ही जगह तक सीमित रखने के लिए, प्रभावित या शुरुआती मुरझापन वाले पौधों की जड़ों के पास कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का घोल डालें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| करेला | परवल में फल और बेल सड़न, पत्ती झुलसन देखी जा सकती है। खेत से क्षतिग्रस्त फल और बेलों को हटा दें और उन्हें खेत में या उसके आसपास न रखें। धूप वाले दिन में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी और मेटालैक्सिल 8% + मैन्कोज़ेब 64% @ 2.5 ग्राम/लीटर पानी का बारी-बारी से छिड़काव करें। |
| करेला | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फल मक्खी (फ्रूट फ्लाई) के हमले पर नज़र रखें, जो बरसात के मौसम में लौकी, तोरई, करेला, खीरा और नेनुआ जैसी कुकुरबिटेसी (बेल वाली) फसलों को नुकसान पहुंचाती है। फल मक्खी से संक्रमित फलों को तोड़कर मिट्टी में दबा देना चाहिए। फल मक्खी से इन फसलों को बचाने के लिए प्रति एकड़ 20-25 फेरोमोन ट्रैप का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया जाता है। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | वर्षा एवं उमस के मौसम में पशुओं के बाड़े की साफ-सफाई एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें। पशुओं को सूखा एवं हवादार स्थान पर रखें तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। मच्छर, मक्खी एवं परजीवी नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पशुओं एवं बाड़े की निगरानी करें। पशुओं को गलाघोंटू, |

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | लंगड़ा बुखार एवं अन्य प्रचलित संक्रामक रोगों के विरुद्ध समय पर टीकाकरण कराएं। बीमार पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और लक्षण दिखाई देने पर पशु चिकित्सक से संपर्क करें। |

### अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | नए बाग लगाने हेतु किसान भाई अमरूद, लीची, नींबू तथा आम के पौधे इस माह के अंत तक लगा दें। नए बागों के लिए बनाए गए गड्ढों मे गोबर की खाद मिला कर रीजेंट दानेदार 10 ग्राम प्रति गड्ढों मे डाल कर भर दें जिससे मिट्टी मे मौजूद हानिकारक कीटों से पौधों का बचाव हो सके। |

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| तूफ़ान और बिजली कड़कने के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें, खुले मैदानों या जलाशयों के पास न रहें, बिजली या धातु की चीज़ों को न छुएं, तार वाले बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल न करें और ज़मीन पर सपाट न लेटें। |

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| सुरक्षित जगह पर शरण लें; पेड़ों, पानी, पहाड़ियों, धातु की चीज़ों और बिजली की लाइनों से दूर रहें। घर के अंदर रहें और हो सके तो यात्रा न करें। अगर किसान खेत में हैं और उन्हें कोई शरण नहीं मिल रही है, तो उस इलाके की सबसे ऊंची चीज़ से दूर रहें। |

**Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**